

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

माग II -- खण्ड 3--- उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 199

नई बिस्ली, बचबार, ग्रप्नेस 12, 1972/चेत्र 23, 1894

No. 199]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 12, 1972 CHAITRA 23, 1894

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

Customs

New Delhi, the 12th April 1972

S.O. 285(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied hat it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts jewellery in ersonal use or for personal use from so much of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934) as is in excess of 50 per cent when imported into India by any person of Indian origin who has been normally resident in Uganda, Kenya, Zambia, Tanzania, Malawi or the Peoples Republic of Southern Yemen from a date earlier than 1964.

[No. 58/F. No. 555/99/71-LCI.]

ABROL Jt. Secy. M. G.

वित्त मंत्रालय

(राजस्थ ग्रौर बीमा विभाग)

ग्रियस् चना

सीमाश्रुक

नई दिल्ली, 12 श्र<mark>प्र</mark>ौल, 1972

कां श्रां 28 5(श्र).—सीमा-शुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, श्रपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में श्रावयक है, ऐसे श्राभूषण को जो व्यक्तिगत प्रयोग में है या व्यक्तिगत प्रयोग के लिए है, भारतीय टैरिफ श्रिधिनियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम श्रनुसूची के श्रधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने सीमा-शुल्क से जब उसका भारतीय मूल के किसी व्यक्ति हारा, जो 1964 से पूर्वतर तारीख से युगांडा, कैन्या, जाम्बिया, तंजानिया, मलावी या पीपुल्स रिपब्लिक, श्राफ सदमें यमन का प्रसामान्यत: निवासी रहा हो, भारत में श्रायात किया गया हा एसटहारा छुट देती है जितना पचास प्रतिशत से श्रिधक हो।

[सं॰ 58/फा॰ सं॰ 555/99/71—एल॰ सी॰ I] मदन गोपाल श्रकोल, संबुक्त सचिव ।